



story
weaver

कहाँ गये गालों के गड्ढे?

Author: Radha HS

Illustrator: Kruttika Susarla

Translator: Ashvini Vyas

पठन स्तर ३



"अप्पा... इम्मा... जल्दी आओ!" लांगलेन ने आवाज़ लगायी।

उन्होंने लांगलेन को घुटनों के बल झुक कर अलमारी के नीचे देखते हुए पाया। उसके नीचे बिल्ली के तीन बच्चे धीमे-धीमे, म्याऊं-म्याऊं करते हुए एक दूसरे के साथ खेल रहे थे।

"इम्मा..." लांगलेन कुछ कहने वाली थी कि इम्मा ने उसे चुप कर दिया -

"श...!, धीरे," इम्मा बोलीं।

"बिल्ली के बच्चे बहुत जल्दी डर जाते हैं।"



अचानक, एक नारंगी बिल्ली खिड़की से कूद कर अंदर आयी। वह पास खड़े लोगों की ओर देखे बिना फुर्ती के साथ सीधे अलमारी के नीचे चली गई और वहां जा कर लेट गई। तीनों बच्चे झटपट आकर उसका दूध पीने लगे।

लांगलेन और उसके इम्मा-अप्पा पंजों के बल चलते हुए बिना आहट किये बाहर कमरे से बाहर निकल गये।



लांगलेन ने पूछा, " क्या वह हल्की - गहरी काली धारियों वाला बच्चा इस बिल्ली का नहीं है?"

"इसी का है," अप्पा ने जवाब दिया।

"तो वह अपनी मां की तरह नारंगी क्यों नहीं है?"

"हो सकता है उसके पापा ऐसे हल्की-गहरी काली धारियों वाले हों।"


लांगलेन सोच रही थी, उसके पापा ने बोलना जारी रखा, "हल्की-गहरी काली धारियों वाले बच्चे का रंग पापा के जैसा है, ठीक वैसे ही जैसे लांगलेन के घुंघराले बाल उसके अप्पा के जैसे हैं!"



"लेकिन सब कहते हैं कि मैं बिल्कुल इम्मा के जैसे दिखती हूँ। देखो, यहां तक कि हमारी ठुड्डी में गड्ढे भी एक जैसे हैं जिससे हमारी ठुड्डी दो हिस्सों में बंटी हुई सी नज़र आती है।"

"तुम थोड़ी-थोड़ी हम दोनों जैसी लगती हो, क्योंकि तुम हमारी प्यारी लांगलेन हो," इम्मा बोली और उसे बाहों में भींच कर गले से लगा लिया।

"क्या वह काला-सफ़ेद बच्चा भी थोड़ा उसके पापा और थोड़ा मम्मी जैसा दिखता है?"



"हां। सभी ऐसे जीव जो दो जीवों की संतान होते हैं, उनमें माता और पिता दोनों की विशेषताएं होती हैं," अप्पा ने समझाया।

"विशेषताएं? रुको मुझे सोचने दो। क्या मेरे घुंघराले बालों को मेरी विशेषता कहा जायेगा?"

"हां, यह एक विशेषता है, लांगलेन। कोई भी गुण अथवा लक्षण जो तुम में है वह एक विशेषता यानी खूबी ही तो है! क्या तुम सोच कर बता सकती हो कि तुम्हारी दूसरी विशेषताएं क्या हैं?" इम्मा ने पूछा।

"हूं! मेरी लंबाई? "

"हां, वह दूसरी विशेषता है। तुम्हारी आंखों का रंग, कानों का आकार, हाथ और पैर की अंगुलियों की लंबाई और तुम्हारी नाक की बनावट सभी कुछ तुम्हारी विशेषताएं हैं," इम्मा ने समझाया।

"मेरे घुंघराले बाल अप्पा से मिली एक विशेषता है और ठुड्डी के बीच का गड्ढा आप से मिली एक विशेषता है। क्या आपको ये विशेषताएं आपके अभिभावकों से मिली है?" "हां! तुमने बिना समय गंवाए सही पकड़ा। और हमें यह विशेषताएं हमारे माता-पिता से मिली हैं," इम्मा ने आगे जोड़ा।





"लेकिन! लांगलेन ने आश्चर्यचकित होते हुए पूछा, "न तो मेरी दादी और न ही दादा की ठुड्डी में गड्ढा है। आपको ये विशेषता कहां से मिली?"

"कभी-कभी ये विशेषताएं पिछली या उससे पहले वाली किसी पीढ़ी से आ जाती हैं। मेरे नानाजी, जिन्हें हम बच्चे पूफू कहते थे, उनकी ठुड्डी में गड्ढा था। उनके बच्चों में, जिनमें मेरी मां भी है, यह विशेषता नहीं थी। लेकिन मुझमें ये विशेषता है और ये विशेषता मुझसे तुमको मिली है।"

"इस वजह से मैं आप सब की विशेषताओं का एक पुलिंदा हूं, बस" लांगलेन थोड़ी दुःखी होते हुए बोली। इम्मा ने उसे फुर्ती से गले लगा लिया। "नहीं लांगलेन, माता-पिता से बच्चों में जाने को अनुवांशिकता कहते हैं। हमारी विशेषताएं एक समान हो सकती हैं, लेकिन हम में से हरेक अलग है। तुम्हारी तमाम विशेषताओं का मेलजोल तुम्हें विशिष्ट बनाता है!"





"मेरी ओर देखो लांगलेन," अप्पा बोले। "मैं बिल्कुल विशिष्ट हूँ। मेरा क़द ख़ूब लंबा है, मेरे सिर, चेहरे और कानों में बड़े-बड़े घुंघराले बाल हैं। और मैं दुनिया में सबसे चौड़े पैरों वाला व्यक्ति हूँ। अगर तुम्हारे कानों पर बहुत बड़े-बड़े और घुंघराले बाल हों तो तुम क्या करोगी?"



"हूं... मैं उनकी चोटी गूंथ कर उसमें रंगीन रबरबैंड लगाऊंगी!"

इम्मा दोनों की ओर देख कर हंस पड़ी। औरतों के कानों में बाल नहीं होते, लेकिन लगता है कि ऐसे बेवकूफी भरे मज़ाक करने की विशेषता तुम्हें तुम्हारे पिताजी से मिली है!"



अप्या कमरे से बाहर चले गए और लांगलेन अपनी इम्मा की गोद में समा गयी।

"इम्मा, मेरा एक सवाल और है, इम्मा। *इबोक* हमेशा कहती हैं कि हंसते समय आपके भी गालों में गड्ढे पड़ जाया करते थे। वह अब कहां गुम हो गये?"

हंसते हुए इम्मा बोली, "गालों में गड्ढे पड़ने वाली विशेषता मुझे अपनी मां से मिली थी। लेकिन, हरेक विशेषता के पीछे कई वजह होती हैं। और किसी वजह से कोई विशेषता सामने आती है, तो किसी दूसरी वजह से गायब भी हो सकती है!"



अप्पा एक प्लेट लेकर आए जो ढकी हुई थी।

"मैं वह वजह हूँ जिसके जादू से इस प्लेट में यह स्वादिष्ट चीज़ें आयी हैं!" यह कहने के साथ ही उन्होंने प्लेट पर ढका नैपकिन हटा दिया। प्लेट में गर्मागर्म वड़े रखे हुए थे।

"और हम वह वजह हैं जो इन्हें गायब कर देंगे?" यह कहते हुए लांगलेन ने किसी के कहने-सुनने का इंतजार किये बिना एक वड़ा उठाकर अपने मुँह में भर लिया।

मुश्किल शब्दों के अर्थ:

इम्मा: मणिपुरी भाषा में माँ

पुफू: मणिपुरी भाषा में नानाजी

इबोक: मणिपुरी भाषा में नानीमाँ

गड्डा: ठुड़ी के बीच का दबा हिस्से जिससे ठुड़ी या ठोड़ी दो हिस्सों में बंटी हुई लगती है

लक्षण: खूबियां, जैसे घुंघराले बाल, ठुड़ी का गड्डा यानी डिंपल

अनुवांशिकता: माता-पिता से विशेषताओं का बच्चों में जाना

पीढ़ी: एक ही समय में जन्म लेने और रहने वाले लोग

विशिष्ट: अलग हट कर, अपनी तरह का अनोखा

प्रभाव: असर

वड़ा: तला हुआ स्वादिष्ट व्यंजन





अपना पारिवारिक पेड़ बनाना

जैसा कि आपको अब तक जान ही गए होंगे की लांगलेन की इम्मा (मम्मी) मणिपुर से हैं और अप्पा (पापा) तमिलनाडु से।

क्या आप भी लांगलेन की तरह (पेज 7 और 8) अपना पारिवारिक पेड़ बनाना चाहेंगे? एक कागज़ और पेन उठाइये और इसे तुरंत ही बनाइये। यदि आप कहीं भी अटक जाएं, तो अपने परिवार वालों की मदद लें।

Story Attribution:

This story: कहाँ गये गालों के गड्ढे? is translated by [Ashvini Vyas](#). The © for this translation lies with Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[Where Did Your Dimples Go?](#)', by [Radha HS](#) . © Pratham Books , 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

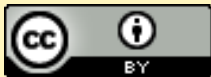
Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver, Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle Giving Initiative. This book was created for StoryWeaver, Pratham Books, with the support of Payal Dhar (Guest Editor) and Kaveri Gopalakrishnan (Art Director).

Illustration Attributions:

Cover page: [A girl and a kitten](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Girl watching kittens play](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Cat feeding kittens](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Girl and father; girl imagining a cat family](#) by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [Girl and her mother](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [Hair braided](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Girl thinking of her father's family tree](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Girl thinking of her mother's family tree](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Playing kittens](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [Man with a cup of coffee](#) by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

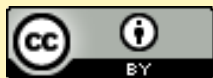
ORACLE®

The development of this book has been supported by Oracle Giving Initiative.

Illustration Attributions:

Page 11: [Smiling girl with two braids](#) by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [Girl with mother and father](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [Man with a tray of vadas, girl eating](#) by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [Framed print of a tea](#) by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: [Girl with mother and father](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: [Body parts of different animals](#), by [Kruttika Susarla](#) © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

ORACLE

The development of this book has been supported by Oracle Giving Initiative.

कहाँ गये गालों के गड्ढे? (Hindi)

लांगलेन के घुंघराले बाल उसके अप्पा जैसे और ठुड्डी के बीच गड्ढा उसकी इम्मा जैसा है। इसकी वजह से वो कभी कभी सोचती है कि भाई बहन या माँ-पिताजी और बच्चे एक जैसे क्यों दिखाई देते हैं। क्या वो उनके विशेषताओं का एक पुलिंदा है? इतने सारे सवाल, लेकिन इम्मा और अप्पा के पास सारे जवाब हैं।

यह पठन स्तर ३ की किताब है, उन बच्चों के लिए जो खुद पढ़ने को तैयार हैं।



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!